मेरी कविताएँ मानो शब्दों में व्यक्त आँसू की बूँदे हैं - प्रतिभा

22 मई 2024
नवभारत न्यूज़

नई दिल्ली। साहित्य अकादेमी के प्रतिष्ठित कार्यक्रम कविसंधि में प्रख्यात ओड़िआ कवयित्री प्रतिभा शतपथी ने अपनी कविताएँ और रचना-प्रक्रिया साझा की। उन्होंने कहा कि कविता से मेरा लंबा संबंध है और यह मुझे बचपन में प्रकृति प्रेम के चलते प्राप्त हुआ। आगे चलकर सरला दास जैसे अनेक वरिष्ठ लेखकों को पढ़कर मैंने अपनी काव्य-यात्रा को हमेशा परिष्कृत किया। मेरी कविता में मेरे सच्चे अनुभव, सुख-दुख और समाज की विकृत सच्चाइयाँ प्रतिबिंबित होती हैं। उन्होंने अपनी कुछ कविताएँ मूल ओड़िआ में पढ़ी और उसके बाद कुछ अनूदित कविताएँ हिंदी और अंग्रेजी में प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम के आरंभ में साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने प्रतिभा शतपथी का स्वागत अंगवस्त्रम एवं साहित्य अकादेमी द्वारा प्रकाशित पुस्तक भेंट करके की। कार्यक्रम में लीलाधर मंडलोई, सुरेश ऋतुपर्ण, दिविक रमेश, गिरीश्वर मिश्र, लक्ष्मी कण्णन, सुमन्यु शतपथी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन साहित्य अकादेमी के उपसचिव देवेन्द्र कुमार देवेश द्वारा किया गया।